Daily Current Affairs

Date : 05 March, 2026

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	अजमेर से 'राष्ट्रव्यापी HPV टीकाकरण अभियान' का शुभारंभ
2.	'एक जिला एक उत्पाद नीति' और MSMEs नीति की स्वीकृति प्रक्रिया में संशोधन
3.	राजस्थान में दूसरी बार टाइगर ट्रांसलोकेशन
4.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. विश्व नवकार महामंत्र दिवस 2.0 2. राजस्थान स्टांप एक्ट-1999 में संशोधन 3. FIVB लेवल-1 इंटरनेशनल वॉलीबॉल कोचेस कोर्स 4. राजस्थान टूरिज्म कप – 2026 5. आयुष औषधियों की सुरक्षा पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला 6. सेंट्रल यूनिवर्सिटी द्वारा 'पेक्टिन' का विकास 7. सफीना हुसैन - TIME वुमन ऑफ द इयर 2026 की सूची में 8. 20वीं ऑल इंडिया हनुमान सिंह महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप-2025-26 9. 74वीं अखिल भारतीय पुलिस वॉलीबॉल कलस्टर 10. 46वीं सब जूनियर राष्ट्रीय बालक एवं बालिका वॉलीबॉल चैंपियनशिप
5.	इनोवेटर्स बिजनेस एनवायरनमेंट इंडेक्स (IBEI), 2026
6.	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो: 25वां स्थापना दिवस
7.	वी.डी. सावरकर की पुण्यतिथि
8.	मिस्र: तमिल ब्राह्मी शिलालेख
9.	सैलार डी पजोनालेस
10.	ऑपरेशन एपिक फ्यूरी (अमेरिका) और ऑपरेशन लायन्स रोर (इजरायल)
11.	चीता पुनर्प्रवेश परियोजना (प्रोजेक्ट चिता)
12.	ओलियम गैस रिसाव
13.	दुर्लभ रोग दिवस, 2026

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान परिदृश्य

अजमेर से 'राष्ट्रव्यापी HPV टीकाकरण अभियान' का शुभारंभ

चर्चा में क्यों?

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 28 फरवरी, 2026 को महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर) की रोकथाम के लिए अजमेर से 'राष्ट्रव्यापी HPV टीकाकरण अभियान' का शुभारंभ किया।

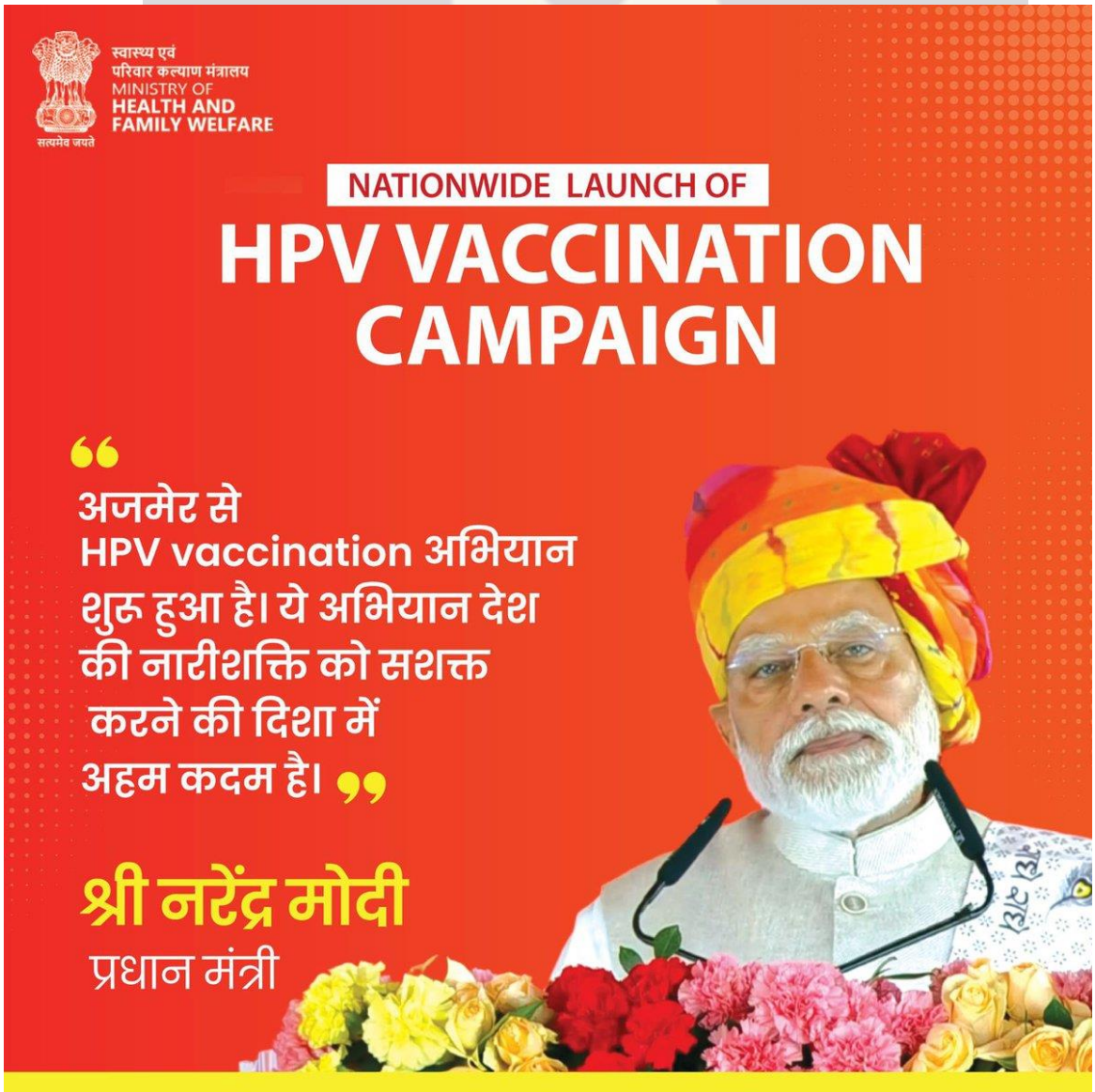

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

- **संबंधित मंत्रालय :** स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय।
- **लक्षित समूह:** यह अभियान मुख्य रूप से 9 से 14 वर्ष की आयु की किशोरियों के लिए है। प्रत्येक वर्ष लगभग 1.15 करोड़ लड़कियों को इस दायरे में लाने का लक्ष्य है।
- **निःशुल्क और स्वैच्छिक :** टीकाकरण पूरी तरह से निःशुल्क और स्वैच्छिक है। इसके लिए माता-पिता या अभिभावकों की सहमति अनिवार्य है। राजस्थान के सभी जिलों में 1000 स्वास्थ्य संस्थानों को HPV टीकाकरण के लिए चिन्हित किया गया है।
- **वैक्सीन :** अभियान के तहत Gardasil-4 वैक्सीन को चुना गया है, जो HPV टाइप - 16 और 18 (कैंसर कारक) के साथ-साथ टाइप 6 और 11 से सुरक्षा प्रदान करती है। यह सुविधा केवल सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों; जैसे - आयुष्मान आरोग्य मंदिर (PHC), सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC), जिला अस्पतालों और सरकारी मेडिकल कॉलेजों में उपलब्ध होंगी।
- **डिजिटल ट्रैकिंग :** लाभार्थियों का पंजीकरण और प्रमाण पत्रों का वितरण U-WIN पोर्टल के माध्यम से डिजिटल रूप से किया जा रहा है।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

ह्यूमन पेपिलोमावायरस (HPV)

- ह्यूमन पेपिलोमावायरस (HPV) के हाई-रिस्क टाइप के लगातार इन्फेक्शन से सर्वाइकल कैंसर होता है। HPV दुनिया भर में सर्वाइकल कैंसर के लगभग 99.7 प्रतिशत मामलों के लिए ज़िम्मेदार है।
- यह वायरस मुख्य रूप से स्किन-टू-स्किन कॉन्टैक्ट (यौन संबंधों) द्वारा फैलता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

'एक जिला एक उत्पाद नीति' और MSMEs नीति की स्वीकृति प्रक्रिया में संशोधन

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, राजस्थान उद्योग एवं वाणिज्य विभाग ने दो नीतियों की स्वीकृति प्रक्रिया में संशोधन किया। साथ ही, विभाग द्वारा तीन नीतियों की आवेदन प्रक्रिया ऑनलाइन की गई।

मुख्य बिन्दु:

- उद्योग एवं वाणिज्य विभाग की 'एक जिला एक उत्पाद (ODOP) नीति – 2024' और 'राजस्थान MSMEs नीति – 2024' के तहत आने वाले आवेदनों की जाँच और स्वीकृति की कार्यवाही जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्रों के महाप्रबंधकों द्वारा की जाएगी। इससे पूर्व यह कार्य जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति द्वारा किया जाता था।
- **ऑनलाइन आवेदन वाली तीन नीतियाँ :** एक जिला एक उत्पाद नीति (ODOP) – 2024, राजस्थान MSMEs नीति – 2024 और राजस्थान निर्यात प्रोत्साहन नीति – 2024

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

एक जिला एक उत्पाद नीति-2024 :

- राज्य के 41 जिलों में 1-1 विशिष्ट उत्पाद की पहचान।
- मार्जिन मनी अनुदान – सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को ₹20 लाख तक।
- एडवांस्ड /सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी अनुदान – ₹5 लाख तक।
- क्वालिटी सर्टिफिकेशन एवं IPR पुनर्भरण – ₹3 लाख तक।
- विपणन आयोजनों हेतु सहायता – ₹2 लाख तक।
- ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म फीस पुनर्भरण – ₹1 लाख प्रतिवर्ष (अधिकतम 2 वर्ष)।
- कैटलॉगिंग और ई-कॉमर्स वेबसाइट विकास के लिए - ₹75,000 तक एकमुश्त सहायता।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान में दूसरी बार टाइगर ट्रांसलोकेशन

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, राजस्थान के मुकुन्दरा हिल्स टाइगर रिज़र्व में मध्य प्रदेश के बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व से एक बाघिन को सफलतापूर्वक स्थानांतरित किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- इंटर-स्टेट कॉरिडोर योजना के तहत प्रदेश में यह दूसरा अवसर है, जब अन्य राज्य से बाघिन को राजस्थान लाया गया है।
- इससे पूर्व 21 दिसंबर, 2025 को मध्य प्रदेश के 'पेंच टाइगर रिज़र्व' से राजस्थान के 'रामगढ़ विषधारी टाइगर रिज़र्व' में 'राज्य का पहला अंतर-राज्यीय बाघ स्थानांतरण' सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

राजस्थान में स्थित टाइगर रिज़र्व :-

क्रमांक	टाइगर रिज़र्व	घोषणा का वर्ष	शामिल जिले
1.	रणथंभौर टाइगर रिज़र्व	1973	सवाई माधोपुर, करौली, बूँदी, टोंक
2.	सरिस्का टाइगर रिज़र्व	1978	अलवर, जयपुर, कोटपूतली-बहरोड़
3.	मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिज़र्व	2013	कोटा, बूँदी, झालावाड़, चित्तौड़गढ़
4.	रामगढ़ विषधारी टाइगर रिज़र्व	2022	बूँदी, कोटा

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

✂️ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**विश्व नवकार महामंत्र दिवस 2.0** ■ 01 मार्च, 2026 को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा जयपुर में विश्व नवकार महामंत्र दिवस 2.0 का उद्घाटन किया गया। ■ यह कार्यक्रम 'जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन' (JITO) द्वारा आयोजित किया गया। ■ प्रथम विश्व नवकार महामंत्र दिवस (1.0) का शुभारंभ 9 अप्रैल, 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नई दिल्ली में किया गया था।
2.	**राजस्थान स्टांप एक्ट-1999 में संशोधन** ■ हाल ही में, राज्य सरकार द्वारा 'राजस्थान स्टांप एक्ट-1999' में संशोधन किए गए। संशोधन के परिणामस्वरूप राज्य में घर, फ्लैट और प्लॉट की रजिस्ट्री महंगी हो गई है। ■ **सरचार्ज :** ₹10 लाख रुपये से अधिक मूल्य की संपत्ति पर स्टांप ड्यूटी पर सरचार्ज को बढ़ाकर 13 प्रतिशत तक कर दिया गया है। ■ **गौ-वंश और आपदा राहत अधिभार :** अधिनियम की धारा 3-B में संशोधन कर गौ-वंश के संरक्षण और प्राकृतिक/मानव निर्मित आपदाओं के राहत के लिए अधिभार (Surcharge) का प्रावधान और स्पष्ट किया गया है।
3.	**FIVB लेवल-1 इंटरनेशनल वॉलीबॉल कोचेस कोर्स** ■ हाल ही में, जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में पहली बार FIVB लेवल-1 इंटरनेशनल वॉलीबॉल कोचेस कोर्स का आयोजन किया गया। ■ **आयोजन अवधि :** 01 से 05 मार्च, 2026 तक। ■ **मुख्य प्रशिक्षक :** FIVB द्वारा नामित जी.ई. श्रीधरन (पूर्व भारतीय खिलाड़ी और कोच)। ■ **आयोजक :** वॉलीबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया (VFI) और राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

4.	**राजस्थान टूरिज्म कप – 2026** ■ **आयोजन :** राजस्थान पोलो क्लब (RPC) ग्राउंड, जयपुर। ■ **विजेता :** वी पोलो (V Polo) टीम। ■ **उपविजेता :** सैंटे मेस्मे (Sainte Mesme) टीम।
5.	**आयुष औषधियों की सुरक्षा पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला** ■ राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (NIA), जयपुर में हाल ही में आयुष औषधियों की सुरक्षा, दुष्प्रभाव रिपोर्टिंग और भ्रामक विज्ञापनों की निगरानी पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। ■ **मुख्य उद्देश्य :** आयुष औषधियों की सुरक्षा, गुणवत्ता नियंत्रण और फार्माकोविजिलेंस (Pharmacovigilance) पर चर्चा करना।
6.	**सेंट्रल यूनिवर्सिटी द्वारा 'पेक्टिन' का विकास** ■ सेंट्रल यूनिवर्सिटी (CURAJ), अजमेर ने हाल ही में फल और सब्जियों के कचरे से 'पेक्टिन' तैयार करने में सफलता प्राप्त की। ■ विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने फेंके गए फलों और सब्जियों के अवशेषों का उपयोग करके उच्च गुणवत्ता वाला पेक्टिन बनाया है। ■ यह तकनीक कचरा प्रबंधन में मदद करेगी और जैम, जेली जैसे खाद्य उत्पादों के लिए एक सस्ता विकल्प प्रदान करेगी।
7.	**सफीना हुसैन - TIME वुमन ऑफ द इयर 2026 की सूची में** ■ सामाजिक कार्यकर्ता और 'एजुकेट गर्ल्स' (Educate Girls) की संस्थापक सफीना हुसैन को TIME मैगजीन की 'वुमन ऑफ द इयर 2026' सूची में शामिल किया गया है। ■ इस प्रतिष्ठित सूची में वह दुनिया भर की उन 16 महिला लीडर्स में शामिल हैं, जो एक अधिक न्यायसंगत और समावेशी दुनिया बनाने की दिशा में काम कर रही हैं। सफीना हुसैन को यह सम्मान ग्रामीण भारत के दूरदराज के क्षेत्रों में लड़कियों को स्कूल वापस लाने और लैंगिक असमानता को दूर करने के उनके प्रयासों के लिए दिया गया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

	■ राजस्थान समेत अनेक राज्यों में सक्रिय उनके संगठन 'एजुकेट गर्ल्स' ने अब तक 20 लाख से अधिक लड़कियों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा है। यह संगठन वर्तमान में 12 राज्यों के लगभग 30,000 गाँवों में सक्रिय है। ■ **अन्य भारतीय महिलाएं :** वर्ष 2026 की इस सूची में सफीना के साथ भारतीय मूल की दो अन्य महिलाएं भी शामिल हैं - रेशमा केवलरमानी (वर्टेक्स फार्मास्यूटिकल्स की प्रेसिडेंट और CEO) तथा रेशमा सौजानी ('मॉम्स फर्स्ट' की संस्थापक और CEO)। ■ सफीना हुसैन के नेतृत्व में 'एजुकेट गर्ल्स' वर्ष 2025 में सार्वजनिक सेवा के लिए एशिया का सर्वोच्च सम्मान 'रेमन मैग्सेसे पुरस्कार' जीतने वाला पहला भारतीय गैर-लाभकारी संगठन बना था।
8.	**20वीं ऑल इंडिया हनुमान सिंह महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप-2025-26** ■ **आयोजन :** सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर। ■ **विजेता :** लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (LPU) फगवाड़ा (पंजाब)। ■ **उपविजेता :** नॉर्दर्न रेलवे। ■ **राजस्थान का प्रदर्शन :** राजस्थान एवं सीमा सुरक्षा बल (BSF) संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे।
9.	**74वीं अखिल भारतीय पुलिस वॉलीबॉल कलस्टर** ■ **आयोजन :** थिरुवनंतपुरम (केरल)। ■ **अवधि :** 23 से 27 फरवरी, 2026 तक। ■ **राजस्थान का प्रदर्शन :** राजस्थान पुलिस की महिला टीम ने स्वर्ण पदक जीता।
10.	**46वीं सब जूनियर राष्ट्रीय बालक एवं बालिका वॉलीबॉल चैंपियनशिप** ■ **आयोजन :** 24 फरवरी से 1 मार्च, 2026 तक पश्चिम बंगाल के बाँडेल में। ■ **आयोजक :** वॉलीबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया (VFI) और पश्चिम बंगाल वॉलीबॉल एसोसिएशन। ■ **राजस्थान का प्रदर्शन :** राजस्थान की दोनों टीमों ने कांस्य पदक जीता।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राष्ट्रीय परिदृश्य

इनोवेटर्स बिजनेस एनवायरनमेंट इंडेक्स (IBEI), 2026

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, स्टार्टअपब्लिंक ने विनियमन, पूँजी और बुनियादी ढांचे जैसी मूलभूत व्यावसायिक स्थितियों का मापन करने वाले इनोवेटर्स बिजनेस एनवायरनमेंट इंडेक्स (IBEI), 2026 जारी किया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

- IBEI नवप्रवर्तकों के लिए सुलभता, पूर्वानुमानशीलता और सरल प्रणालियों के आधार पर राष्ट्रीय व्यावसायिक वातावरण का मूल्यांकन करता है।
- **कार्यप्रणाली और संकेतक:** 125 देशों को शामिल करते हुए, यह रिपोर्ट 30 से अधिक मापने योग्य मापदंडों पर आधारित एक सुसंगत पद्धति का उपयोग करके यह आँकलन करती है;

तीन मुख्य स्तंभ:

1. **व्यवसाय चलाने में आसानी:** यह मापता है कि किसी व्यवसाय को शुरू करना, चलाना और बनाए रखना कितना सरल, तेज और संचालन की दृष्टि से कितना आसान है।
2. **व्यावसायिक प्रोत्साहन:** यह मूल्यांकन करता है कि कोई देश उद्यमियों और निवेशकों के लिए आर्थिक रूप से कितना आकर्षक है।
3. **बाजार धारणा:** यह मापता है कि शासन की गुणवत्ता, विश्वसनीयता, पारदर्शिता, स्थिरता, मानव पूँजी और अंतर्राष्ट्रीय गतिशीलता के संदर्भ में किसी देश को वैश्विक स्तर पर कैसे देखा जाता है।

प्रमुख संकेतक:

- **नियमन और सरकार:** व्यवसाय शुरू करने और चलाने में आसानी और नियामकीय बाधाएं।
- **पूंजी और वित्तीय अवसंरचना तक पहुंच:** वित्तपोषण की उपलब्धता और ऋण शर्तें।
- **कराधान:** व्यवसायों के लिए प्रोत्साहन और कर संबंधी शर्तें।
- **डिजिटल अवसंरचना:** इंटरनेट की गति, स्वतंत्रता और कनेक्टिविटी।
- **वैश्विक गतिशीलता और खुलापन:** अंतर्राष्ट्रीय पहुंच, बाजार की धारणा और शासन की स्थिरता।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

IBEI रैंकिंग 2026/ वर्ष 2026 में विश्व स्तर पर व्यापार करने के लिए सर्वश्रेष्ठ देश:

रैंक	देश
1st	संयुक्त राज्य अमेरिका (पूर्ण 100 अंक के साथ)
2nd	सिंगापुर (8 मापदंडों पर सबसे अधिक अंक प्राप्त करता)।
3rd	यूनाइटेड किंगडम (UK)

- संयुक्त अरब अमीरात (5वाँ) और सऊदी अरब (9वाँ) कराधान के मामले में वैश्विक स्तर पर क्रमशः दूसरे और छठे स्थान पर हैं, जहां अधिकांश देश इस क्षेत्र में कमजोर प्रदर्शन करते हैं।
- ऋण दर और ऋण प्राप्ति के मामले में जापान (आठवें स्थान पर) वैश्विक स्तर पर पहले स्थान पर है, जो अनुकूल ऋण स्थितियों को दर्शाता है।
- न्यूजीलैंड (11वें स्थान पर) व्यवसाय शुरू करने के मामले में विश्व स्तर पर पहले स्थान पर है, जो तुलनात्मक रूप से कम प्रवेश बाधाओं को दर्शाता है।
- वैश्विक गतिशीलता और खुलेपन के मामले में स्वीडन (12वाँ स्थान) शीर्ष 20 देशों में सबसे उच्च स्थान पर है।
- कराधान की शर्तों के मामले में साइप्रस (15वाँ स्थान) पश्चिमी यूरोप का शीर्ष स्थान प्राप्त देश है।
- डेनमार्क (20वाँ स्थान) डिजिटल अवसंरचना में वैश्विक स्तर पर तीसरे स्थान पर है, जो शीर्ष 20 देशों में शामिल किसी भी अन्य देश से बेहतर है।
- **भारत का प्रदर्शन:** भारत 55.035 के स्कोर के साथ वैश्विक स्तर पर 54 वें स्थान पर है। भारत चीन से आगे है, जो 85 वें स्थान पर है।
- रिपोर्ट में भारत के कारोबारी माहौल को मजबूत क्षेत्रीय ताकत, पूँजी तक विश्वसनीय पहुंच, बड़े बाजार आकार और प्रतिस्पर्धी लागत संरचना से चिह्नित बताया गया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

ऊर्जा दक्षता ब्यूरो: 25वाँ स्थापना दिवस

चर्चा में क्यों?

- 1 मार्च, 2026 को भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (BEE) की स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण हो गए हैं।

मुख्य बिन्दु:

- **परिचय:** ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (BEE) विद्युत मंत्रालय के अधीन एक वैधानिक निकाय है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने और ऊर्जा तीव्रता को कम करने के लिए जिम्मेदार है।
- **स्थापना:** 1 मार्च, 2002 (ऊर्जा संरक्षण अधिनियम, 2001 के तहत्)।
- **मंत्रालय:** विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **मुख्यालय:** नई दिल्ली, भारत।
- **कार्य:** यह ऊर्जा संरक्षण नीतियों और कार्यक्रमों को तैयार करने और लागू करने के लिए भारत की नोडल संस्था के रूप में कार्य करता है।
- **प्रमुख उपलब्धियाँ:** मानक एवं लेबलिंग कार्यक्रम, प्रदर्शन, उपलब्धि और व्यापार (PAT) योजना और कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग योजना (CCTS) जैसे बाजार-आधारित कार्बन तंत्रों की ओर संक्रमण शामिल हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

इतिहास एवं संस्कृति

मिस्र: तमिल ब्राह्मी शिलालेख

चर्चा में क्यों?

- शोधकर्ताओं ने मिस्र में राजाओं की घाटी में स्थित कब्रों में लगभग 30 तमिल, ब्राह्मी, प्राकृत और संस्कृत शिलालेखों की पहचान की है, जो पहली से तीसरी शताब्दी ईस्वी तक के हैं।

मुख्य बिन्दु:

- **स्थान:** यह शिलालेख मिस्र में नील नदी के किनारे स्थित थेबन नेक्रोपोलिस के हिस्से, किंग्स वैली के भीतर छह कब्रों में प्रलेखित किए गए थे।

प्रमुख खोजें:

- **लगभग 30 शिलालेखों की पहचान की गई (पहली-तीसरी शताब्दी ईस्वी):** यह तमिल, ब्राह्मी, प्राकृत और संस्कृत में लिखे गए हैं, जो विविध भारतीय मूल का संकेत देते हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **बार-बार अंकित तमिल नाम 'सिकाई कोर्रन':** पांच कब्रों में आठ बार खुदा हुआ पाया गया, जो एक तमिल व्यक्ति की बार-बार उपस्थिति का संकेत देता है।
- **अन्य दर्ज किए गए तमिल नाम:** कोपान, चाटन और किरण जैसे नामों की पहचान की गई, जो संगम युग की तमिल संस्कृति से जुड़े हुए हैं ।
- **बेरेनिके से मिले समानांतर साक्ष्य:** लाल सागर के बंदरगाह बेरेनिके में पहले पाए गए समान तमिल नाम समुद्री व्यापार संबंधों को और मजबूत करते हैं।
- **भित्तिचित्र बनाने की परंपरा का पालन किया गया:** भारतीय आगंतुकों ने स्थानीय स्मारकीय रीति-रिवाजों का पालन करते हुए, ग्रीक भित्तिचित्रों के साथ-साथ अपने नाम उकेरे।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भूगोल एवं भू-विज्ञान

सैलार डी पजोनालेस

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, वैज्ञानिकों ने सैलार डी पजोनालेस का अध्ययन किया, जो समुद्र तल से 3.5 किलोमीटर ऊपर स्थित एक बेहद शुष्क और बर्फीला नमक का मैदान (अटाकामा रेगिस्तान में स्थित) है। पराबैंगनी विकिरण से झुलसने के साथ-साथ, सैलार मंगल ग्रह की स्थितियों का लगभग सटीक प्रतिरूप है।

मुख्य बिन्दु:

सैलार डी पजोनालेस:

- **अवस्थिति:** यह उत्तरी चिली में एक बड़ा प्लाया (नमक का मैदान) है, जो अल्टीप्लानो-पुना पठार के पश्चिमी किनारे पर समुद्र तल से लगभग 3,500 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- यह अटाकामा क्षेत्र का तीसरा सबसे बड़ा सैलर है (सैलर डी अटाकामा और सैलर डी पुंटा नेग्रा के बाद)।
- **पर्यावरणीय परिस्थितियाँ:** यह अटाकामा रेगिस्तान के अत्यधिक शुष्क क्षेत्र में स्थित है और यहाँ कई प्रकार की चरम स्थितियाँ पाई जाती हैं जैसे अत्यधिक शुष्कता, ऊँचाई, तीव्र सौर और पराबैंगनी विकिरण, तापमान में भारी उतार-चढ़ाव और सल्फेट से भरपूर खनिज संरचना। यह परिस्थितियाँ मंगल ग्रह पर पाई जाने वाली परिस्थितियों से काफी मिलती-जुलती हैं।
- **जलवैज्ञानिक और भूवैज्ञानिक विशेषताएं:** यह एक अंतर्ग्रही बेसिन (बिना बहिर्वाह वाला) है जो भूजल द्वारा पोषित होता है। इसकी सतह पर वाष्पीकरण निक्षेपों का प्रभुत्व है, जिनमें प्रमुख जिप्सम (कैल्शियम सल्फेट डाइहाइड्रेट) परतें और स्ट्रोमैटोलाइट्स के रूप में जानी जाने वाली स्तरित सूक्ष्मजीवी संरचनाएं शामिल हैं।
- **इसे "मंगल ग्रह का अनुरूप" क्यों कहा जाता है?**
- वैज्ञानिक पृथ्वी पर आधारित "अनुरूप" संरचनाओं का उपयोग करके बाह्य अंतरिक्ष के वातावरण का अनुकरण करते हैं। सालार डी पजोनालेस इसलिए प्रासंगिक है क्योंकि:
  - इस स्थल पर जिप्सम ($CaSO_4 \cdot 2H_2O$) पाया जाता है - एक खनिज जो मंगल ग्रह पर भी पाया गया है।
  - इसमें स्ट्रोमैटोलाइट्स पाए जाते हैं, जो सूक्ष्मजीवों द्वारा निर्मित परतदार चट्टान संरचनाएं हैं।
- **नोट:** स्ट्रोमेटोलाइट्स परतदार, अवसादी चट्टान संरचनाएं हैं जो हजारों वर्षों में सूक्ष्मजीवों, मुख्य रूप से प्रकाश संश्लेषक सायनोबैक्टीरिया द्वारा तलछटों के फँसाने, बांधने और सीमेंटेशन के कारण बनती हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **मंगल ग्रह के अन्वेषण की प्रासंगिकता:** मंगल ग्रह पर भेजे गए मिशनों ने मंगल की सतह पर जिप्सम और अन्य जलयुक्त खनिजों की पहचान की है।
- यदि पृथ्वी पर जिप्सम पाया जाता है तो यह सूक्ष्मजीवों के जीवन की रक्षा करता हैं और जैव-हस्ताक्षरों को संरक्षित करता है।
- **मंगल ग्रह पर जिप्सम के निक्षेपों में यह हो सकते हैं:** प्राचीन जीवन के साक्ष्य और अतीत के सूक्ष्मजीव पारिस्थितिक तंत्रों के रासायनिक निशान।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

अटाकामा रेगिस्तान:

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **अवस्थिति:** यह विश्व का सबसे शुष्क रेगिस्तान है, जो उत्तरी चिली में स्थित है। यह पूर्व में एंडीज पर्वतमाला और पश्चिम में प्रशांत महासागर के मध्य स्थित है।
- यह चिली के उत्तरी भाग के संकरे तट के साथ लगभग 1,000 किलोमीटर तक एक सतत् पट्टी का निर्माण करता है।
- **सीमाएँ:** इसकी सीमाएँ अर्जेंटीना, पेरू (उत्तर सीमा) और बोलीविया से लगती हैं।
- **वर्षा:** इस क्षेत्र में औसत वर्षा लगभग 1 मिमी प्रति वर्ष होती है।
- **तापमान:** साल भर तापमान अपेक्षाकृत हल्का (कारण: ठंडी हम्बोल्ट धारा) रहता है। रेगिस्तान में औसत तापमान लगभग 18 डिग्री सेल्सियस होता है।
- इस भूभाग में नमक के मैदान (सैलारेस), ज्वालामुखी शंकु, रेत के टीले और जलोढ़ मैदान शामिल हैं।
- **प्राकृतिक संसाधन:** इस क्षेत्र में सोडियम नाइट्रेट का सबसे बड़ा प्राकृतिक भंडार है, जिसका उपयोग उर्वरक और विस्फोटक बनाने के लिए किया जाता है।
- **चिनचोरो ममी:** अटाकामा रेगिस्तान में कृत्रिम रूप से ममीकृत किए गए मानव अवशेषों के सबसे पुराने नमूने पाए गए हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

ऑपरेशन एपिक फ्यूरी (अमेरिका) और ऑपरेशन लायन्स रोर (इजरायल)

चर्चा में क्यों?

- 28 फरवरी, 2026 को ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर चिंताओं के बीच, इज़राइल ने तेहरान में प्रमुख स्थलों पर हमला किया, जिसे ऑपरेशन लायन्स रोर नाम दिया गया। अमेरिका ने इस ऑपरेशन का समर्थन किया और इसके एक हिस्से को ऑपरेशन एपिक फ्यूरी नाम दिया, जिसका उद्देश्य ईरान की सैन्य और मिसाइल क्षमताओं को कमजोर करना था।
- ईरान ने ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4 के तहत् मिसाइलों से जवाबी कार्रवाई की, जिसमें इज़राइल और क्षेत्रीय सैन्य स्थलों को निशाना बनाया गया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

प्रभाव:

वैश्विक	भारत
■ **वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा के लिए खतरा:** यह वृद्धि होर्मुज जलडमरूमध्य को बुरी तरह प्रभावित करती है, जो एक महत्वपूर्ण समुद्री चोकपॉइंट है। ■ यह जलडमरूमध्य प्रतिदिन लगभग 20 मिलियन बैरल कच्चे तेल (वैश्विक खपत का लगभग 20%) और वैश्विक द्रवीकृत प्राकृतिक गैस (LNG) शिपमेंट का 20-30% होता है। ■ **भू-राजनीतिक ध्रुवीकरण:** इस संघर्ष से अन्य वैश्विक शक्तियों के भी इसमें शामिल होने का खतरा है। ■ **वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान और वस्तु और बाजार में अस्थिरता:** पश्चिम एशियाई और जलक्षेत्रों का सैन्यीकरण एशिया को यूरोप से जोड़ने वाले महत्वपूर्ण व्यापार मार्गों को बाधित करता है, जिससे वैश्विक स्तर पर माल ढुलाई और बीमा लागत में वृद्धि होती है।	■ **ऊर्जा सुरक्षा और अर्थव्यवस्था:** भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल उपभोक्ता है और अपनी जरूरतों का 85-88% से अधिक आयात करता है। ■ इराक, सऊदी अरब, यूएई और कुवैत से लगभग 2.5 से 2.7 मिलियन बैरल तेल प्रतिदिन होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है। ■ LPG का 80-85% और LNG आयात का लगभग 60% हिस्सा भी होर्मुज नहर से होकर गुजरता है। ■ **भारतीय प्रवासी समुदाय की सुरक्षा:** पश्चिम एशिया में लगभग 9 मिलियन भारतीय प्रवासी रहते हैं। ■ **कनेक्टिविटी कॉरिडोर में व्यवधान:** चाबहार बंदरगाह (ईरान) पर परिचालन खतरे में है, और अरब प्रायद्वीप के बंदरगाह बुनियादी ढांचे के विनाश के कारण महत्वाकांक्षी भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक कॉरिडोर (IMEC) के अस्तित्व पर गंभीर खतरा हो सकता हैं।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

■ **JCPOA समझौता: ईरान के बढ़ते गुप्त परमाणु कार्यक्रम पर अंकुश लगाने के लिए P5+1 (चीन, फ्रांस, जर्मनी, रूस, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका), यूरोपीय संघ और ईरान ने वर्ष 2015 में संयुक्त व्यापक कार्य योजना (JCPOA) पर हस्ताक्षर किए।**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **ऑपरेशन मिडनाइट हैमर (जून, 2025):** इज़राइल ने ईरान के नतान्ज़ और इस्फ़हान स्थित परमाणु स्थलों पर पूर्व-नियोजित हमले किए।

मिसाइल रक्षा प्रणाली:

अमेरिका	इज़राइल	ईरान
थाड (टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस)	एरो-2 और एरो-3	बावर-373
पैट्रियट मिसाइल प्रणाली	डेविड्स स्लिंग	सेवोम-ए-खोरदाद
SM-3 और SM-6 (अमेरिकी नौसेना)	आयरन डोम	टोर-M1
अप्रत्यक्ष अग्नि सुरक्षा क्षमता (IFPC)	आयरन बीम	मजीद और अजरख्श

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

चीता पुनर्प्रवेश परियोजना (प्रोजेक्ट चिता)

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, बोत्सवाना से 9 चीतों को भारतीय वायु सेना के 81 स्क्वाड्रन (स्काईलॉर्ड्स) के C17 ग्लोबमास्टर विमानों द्वारा मध्य प्रदेश के कुनो राष्ट्रीय उद्यान में लाया गया हैं।
- यह किसी अफ्रीकी देश से आने वाले चीतों का तीसरा जत्था है।

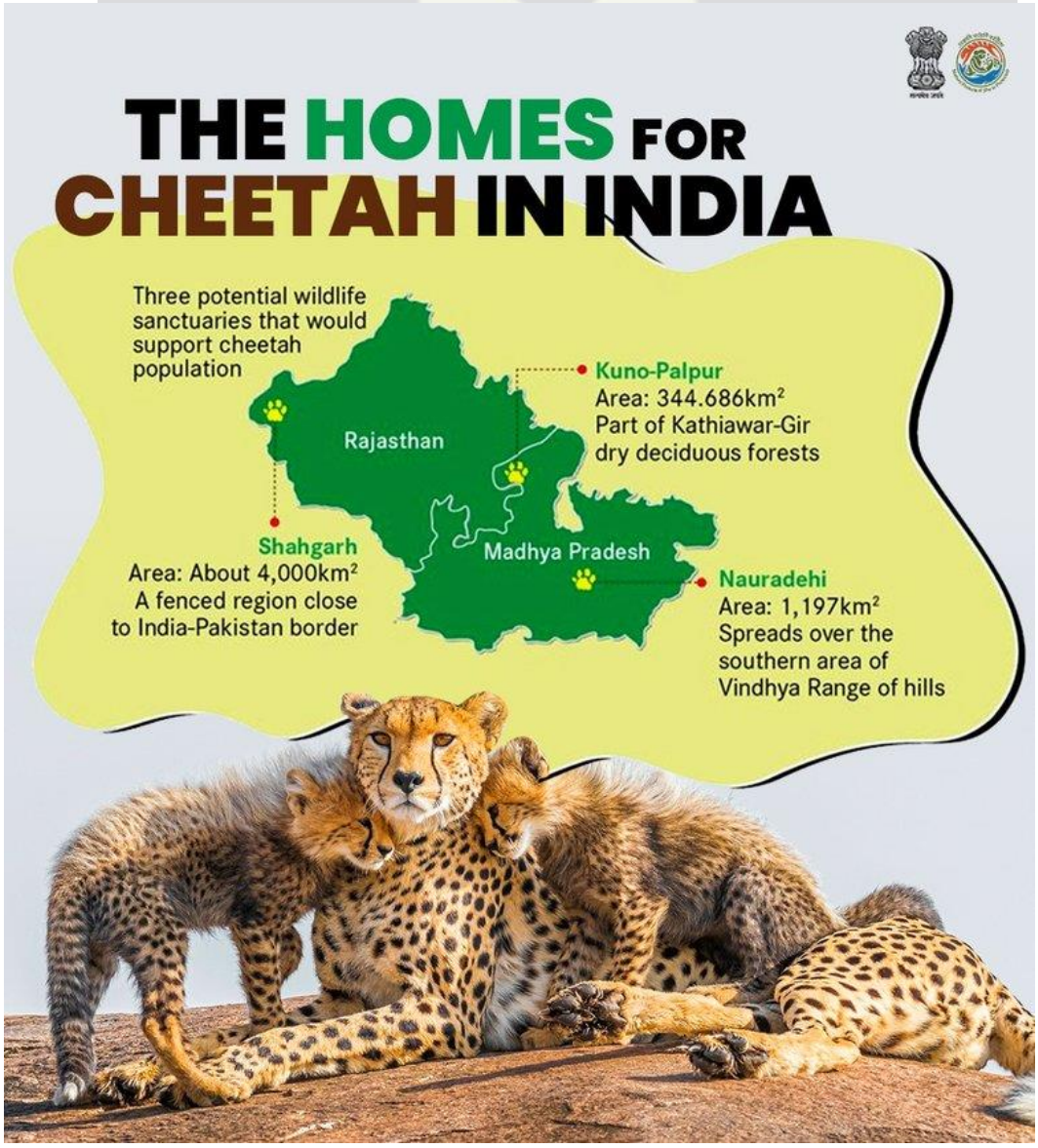

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

- **कुल आबादी:** 6 मादा और 3 नर चीतों को छोड़े जाने के साथ ही भारत में चीतों की कुल संख्या बढ़कर 48 हो गई है। इनमें से 28 भारत में जन्मे शावक हैं और 20 वयस्क चीते केंद्र सरकार की परियोजना चीता के तहत् अफ्रीकी देशों से स्थानांतरित किए गए हैं।
- बोत्सवाना में विश्व भर में चीतों की कुल आबादी का लगभग 24% हिस्सा रहता है, जिनकी संख्या 7,100 है।
- नामीबिया से चीतों का पहला बैच (8 चीते) को सितंबर, 2022 में पुनः स्थापित किया गया था, जिसके बाद फरवरी, 2023 में दक्षिण अफ्रीका से 12 चीतों को लाया गया था।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

- **प्रोजेक्ट चीता:** यह विश्व की पहली अंतरमहाद्वीपीय मांसाहारी जंगली जानवरों की स्थानांतरण परियोजना है।
- **शुरुआत:** सितंबर, 2022 में प्रोजेक्ट टाइगर के अंतर्गत शुरू की गई।
- **उद्देश्य:** भारत में वर्ष 1952 में विलुप्त घोषित किए गए चीतों को वापस लाने के लिए 'प्रोजेक्ट चलाया जा रहा है।
- **कार्यान्वयन एजेंसी:** राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) द्वारा मध्य प्रदेश वन विभाग और भारतीय वन्यजीव संस्थान (WII) के सहयोग से।
- वर्ष 2023 में, परियोजना के कार्यान्वयन की देखरेख और मार्गदर्शन के लिए एक संचालन समिति का गठन किया गया था।
- कुनो राष्ट्रीय उद्यान और गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य (मध्य प्रदेश) वर्तमान में स्थानांतरित चीतों के प्राथमिक आवास के रूप में कार्य करते हैं, जबकि नौरादेही वन्यजीव अभयारण्य (मध्य प्रदेश) को चीता परिदृश्य के भविष्य के विस्तार के लिए चिन्हित किया गया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भारत के अन्य अभयारण्य:

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

विज्ञान प्रौद्योगिकी

ओलियम गैस रिसाव

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, महाराष्ट्र के बोइसर में स्थित भागेरिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड में ओलियम गैस का बड़े पैमाने पर रिसाव हुआ।

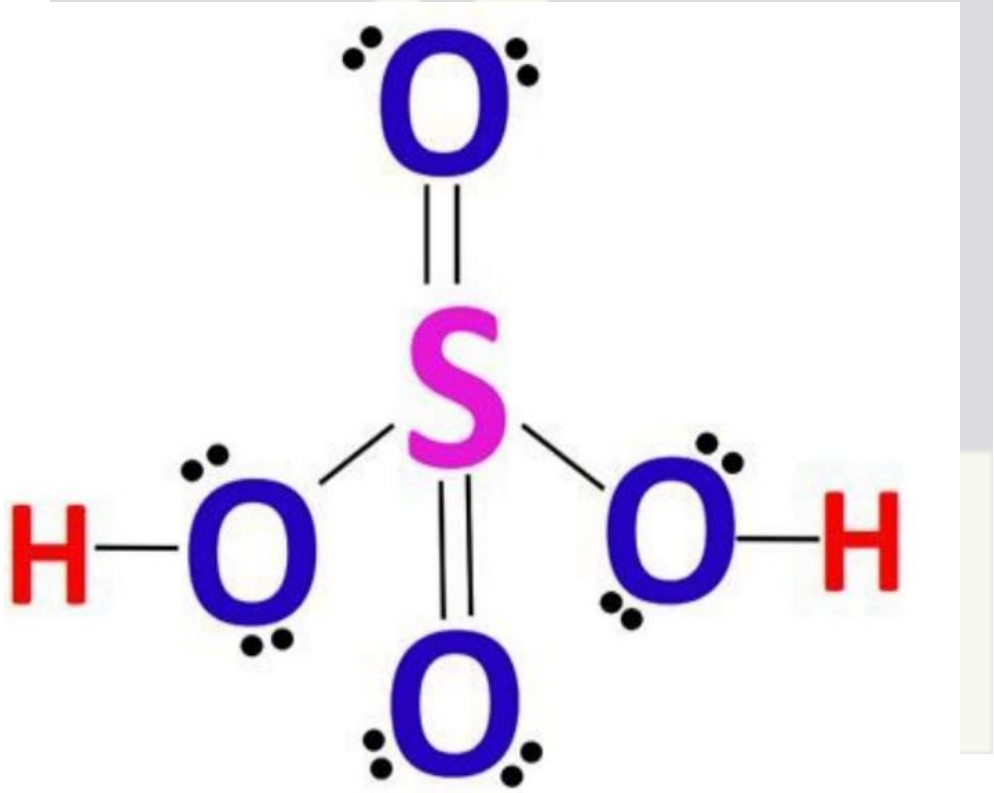

मुख्य बिन्दु:

- **उपनाम:** फ्यूमिंग सल्फ्यूरिक एसिड; एक अत्यधिक संक्षारक रसायन है जिसमें सांद्र सल्फ्यूरिक एसिड (H_2SO_4) में घुला हुआ सल्फर ट्राईऑक्साइड (SO_3) होता है। नम हवा के संपर्क में आने पर यह घना सफेद धुआं छोड़ता है।
- **रासायनिक नाम:** ओलियम (फ्यूमिंग सल्फ्यूरिक एसिड)।
- **रासायनिक निरूपण:** $H_2SO_4 \cdot xSO_3$

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- जब x = 1 होता है, तो यौगिक डाइसल्फ्यूरिक एसिड ($H_2S_2O_7$) होता है, जिसे पायरोसल्फ्यूरिक एसिड भी कहा जाता है।

उत्पादन:

- सल्फर को जलाकर सल्फर डाइऑक्साइड (SO_2) का उत्पादन करना।
- SO_2 का ऑक्सीकरण करके सल्फर ट्राईऑक्साइड (SO_3) बनाना।
- सांद्र सल्फ्यूरिक अम्ल में SO_3 को अवशोषित करके ओलियम का निर्माण करना।

गैस के गुणधर्म:

भौतिक गुण :

- **स्वरूप:** हवा में फैलने पर यह घने, सफेद बादल जैसे धुएं के रूप में दिखाई देता है।
- **हिमांक:** इसका हिमांक सांद्रता के साथ बहुत अधिक बदलता रहता है; यह कमरे के तापमान पर ठोस हो सकता है या शून्य डिग्री तक के तापमान पर भी तरल अवस्था में रह सकता है।

रासायनिक गुणधर्म:

- **निर्जलीकरण:** यह एक अत्यंत प्रबल निर्जलीकरण कारक है।
- **संक्षारकता :** यह अत्यधिक संक्षारक है, लेकिन सतहों पर हमला करने के लिए इसमें मुक्त जल की कमी होती है, जिससे यह अपने शुद्ध रूप में तनु अम्ल की तुलना में कुछ धातुओं के लिए कम संक्षारक होता है।
- **जलयोजन:** इसमें जलयोजन की एन्थैल्पी बहुत अधिक होती है; जब ओलियम में मौजूद SO_3 पानी /नमी के संपर्क में आता है, तो यह सल्फ्यूरिक एसिड की एक महीन धुंध बनाता है।
- **स्वास्थ्य पर प्रभाव:** आँखों में तीव्र जलन, श्वसन में अवरोध तथा सल्फ्यूरिक एसिड की धुंध का फैलाव।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

रेयर डिजीज डे-2026

चर्चा में क्यों?

- रेयर डिजीज डे-2026, विश्व स्तर पर प्रतिवर्ष 28 फरवरी (या लीप वर्ष में 29 फरवरी) को मनाया जाता है।

मुख्य बिन्दु:

- **उद्देश्य:** इसका उद्देश्य दुर्लभ बीमारियों से पीड़ित रोगियों के लिए सामाजिक अवसरों, स्वास्थ्य देखभाल और निदान एवं उपचार तक पहुँच में समानता प्राप्त करना है।
- **शुरूआत:** वर्ष 2008
- **समन्वय:** EURORDIS (दुर्लभ रोगों के लिए यूरोपीय संगठन) द्वारा 70 से अधिक राष्ट्रीय सहयोगी रोगी संगठनों के साथ साझेदारी में किया जाता है।
- **दुर्लभ रोग दिवस, 2026 का विषय है:** "आपकी कल्पना से परे "।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

- **दुर्लभ रोग:** दुर्लभ बीमारियों को मोटे तौर पर आबादी में कम बार होने वाली बीमारियों के रूप में परिभाषित किया जाता है, जिनकी व्यापकता देशों के मध्य भिन्न होती है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन दुर्लभ बीमारियों को ऐसी बीमारियों के रूप में परिभाषित करता है जो अक्सर दुर्बल करने वाली और जीवन भर बनी रहने वाली स्थितियां होती हैं, जिनकी व्यापकता प्रति 1000 जनसंख्या पर 1 या उससे कम होती है।
- भारत में इसकी कोई मानक परिभाषा नहीं है, लेकिन ऑर्गनाइजेशन ऑफ रेयर डिजीज इंडिया (ORDI) ने सुझाव दिया है कि किसी बीमारी को दुर्लभ तब माना जाएगा जब वह 5,000 लोगों में से 1 या उससे कम लोगों को प्रभावित करती हो।
- ऑर्गेनाइजेशन फॉर रेयर डिजीज इंडिया (ORDI) ने भारत में 263 दुर्लभ बीमारियों को सूचीबद्ध किया है। इनमें से पहली 10 बीमारियाँ इस प्रकार हैं:

1. एकेन्थोसाइटोसिस कोरिया - एक तंत्रिका संबंधी विकार जो शरीर के कई हिस्सों की गति को प्रभावित करता है।
2. अचलासिया कार्डिया - एक दुर्लभ विकार है जिसके कारण मुंह और पेट को जोड़ने वाली निगलने वाली नली (ग्रासनली) से भोजन और तरल पदार्थ का गुजरना मुश्किल हो जाता है।
3. एक्रोमेसोमेलिक डिसप्लेसिया - यह एक वंशानुगत, कंकाल संबंधी विकार है जिसमें कद छोटा रह जाता है, जिसे लघु-अंग बौनापन के रूप में जाना जाता है।
4. एक्यूट इन्फ्लेमेटरी डेमाइलिनेटिंग पॉलीन्यूरोपैथी (AIDP) – तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करने वाली बीमारियों का एक सामान्य वर्गीकरण।
5. एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया – रक्त का कैंसर, विशेष रूप से श्वेत रक्त कोशिकाओं का।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

6. **एडिसन रोग (अधिवृक्क अपर्याप्तता) -** शरीर में अधिवृक्क ग्रंथियां कुछ निश्चित कोर्टिसोल और एल्डोस्टेरोन हार्मोन का पर्याप्त उत्पादन नहीं करती हैं।
7. **एड्रेनोलेयूकोडिस्ट्रोफी (ALD) -** एक आनुवंशिक स्थिति जो माइलिन शीथ (झिल्ली) को नुकसान पहुंचाती है, जो रीढ़ की हड्डी और मस्तिष्क में तंत्रिका कोशिकाओं को ढकती है।
8. **तीव्र सूजन संबंधी डीमाइलिनेटिंग पॉलीन्यूरोपैथी -** परिधीय तंत्रिका तंत्र का एक स्वप्रतिरक्षित रोग, जिसे एक सदी पहले पहचाना गया था।
9. **अलागिल सिंड्रोम -** यह एक आनुवंशिक स्थिति है जिसमें पित्त यकृत में जमा हो जाता है।
10. **एल्केप्टोन्यूरिया (काले मूत्र का रोग) -** प्रोटीन के टूटने में बाधा उत्पन्न होने की एक आनुवंशिक स्थिति जिसके परिणामस्वरूप होमोजेंटिसिक एसिड का संचय होता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR